भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

30.07.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1735 का उत्तर

तमिलनाडु में शयनयान श्रेणी के डिब्बों की संख्या में कमी

1735. डॉ. गणपथी राजकुमार पी.:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस तथ्य की जानकारी है कि तमिलनाडु में चलने वाली कई ट्रेनों में शयनयान श्रेणी (एसएल) के डिब्बों की संख्या कम कर दी गई है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और कई ट्रेनों में शयनयान श्रेणी (एसएल) के डिब्बों की संख्या कम करने के क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार को मध्यमवर्गीय परिवारों और आम लोगों की सुविधा के लिए इन ट्रेनों में अधिक शयनयान श्रेणी (एसएल) के डिब्बे जोड़ने के लिए रेल यात्री संघों से कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय रेल ने सामान्य/शयनयान श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि की है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ही, लंबी दूरी की विभिन्न रेलगाड़ियों में 1250 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बों का उपयोग किया गया है।

भारतीय रेल पर, गैर-वातानुकूलित डिब्बों का प्रतिशत लगभग 70% हो गया है, जैसा कि नीचे दिया गया है:

सारणी 1: सवारी डिब्बों का वितरण:

सवारी डिब्बों के प्रकार	सवारी डिब्बों की संख्या	प्रतिशत
गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बे (सामान्य और शयनयान)	लगभग 57,200	लगभग 70%
वातानुकूलित सवारी डिब्बे	लगभग 25,000	लगभग 30%
कुल सवारी डिब्बे	लगभग 82,200	100%

साधारण सवारी डिब्बों की अधिक उपलब्धता के कारण, सामान्य/अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि का रुझान दर्शाया गया है, जो निम्नानुसार है:

सारणी 2: सामान्य/अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रियों की संख्या:

वर्ष	यात्रियों की संख्या
2020-21	99 करोड़ (कोविड वर्ष)
2021-22	275 करोड़ (कोविड वर्ष)
2022-23	553 करोड़
2023-24	609 करोड़
2024-25	651 करोड़

पिछले कुछ वर्षों में गैर-वातानुकूलित यात्रियों के लिए उपलब्ध सीटों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वर्तमान संरचना निम्नानुसार है:

तालिका 3: सीटों का वितरण:

सीट के प्रकार	सीटों की संख्या	प्रतिशत
गैर-वातानुकूलित सीटें	लगभग 54 लाख	लगभग 78%
वातानुकूलित सीटें	लगभग 15 लाख	लगभग 22%
कुल	लगभग 69 लाख	100%

इसके अतिरिक्त, चूंकि, रेल नेटवर्क राज्य की सीमाओं के आर-पार फैला होता है, इसलिए, नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार, इन सीमाओं के आर-पार रेलगाड़ियां परिचालित/संवर्धित की जाती हैं।

01.04.2025 तक, दक्षिण रेलवे (जो मुख्य रूप से तमिलनाडु राज्य को सेवा प्रदान करता है) के पास रेलगाड़ी परिचालन के लिए सवारी डिब्बों की कुल संख्या लगभग 5,300 है, जिनमें से लगभग 1400 सवारी डिब्बे (अर्थात 26%) वातानुकूलित हैं जबकि 3900 (अर्थात 74%) सवारी डिब्बे गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बे (सामान्य और शयनयान) हैं।

2024-25 के दौरान, दक्षिण रेलवे ने आम लोगों की सुविधा के लिए 138 वातानुकूलित डिब्बे और 29 शयनयान सवारी डिब्बों को बदलकर 132 मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में 167 अनारक्षित श्रेणी के सवारी डिब्बे जोड़े हैं।

इसके अलावा, सामान्य और गैर-वातानुकूलित शयनयान सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए अधिक स्थान मुहैया कराने के लिए, मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों की संरचना संबंधी मौजूदा नीति में 22 सवारी डिब्बों की एक रेलगाड़ी में 12 (बारह) सामान्य श्रेणी और शयनयान श्रेणी गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों और 08 (आठ) वातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रावधान है, जिससे सामान्य तथा गैर-वातानुकूलित शयनयान सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए अधिक स्थान मुहैया कराया जा सके।

रेलवे ने अमृत भारत एक्सप्रेस नामक पूर्णतया गैर-वातानुकूलित आधुनिक रेलगाड़ी विकसित की है। इस समय, 14 सेवाएं परिचालित की जा रही हैं। इन आधुनिक रेलगाड़ियों में झटका मुक्त यात्रा के लिए सेमी-परमानेंट कपलर, क्षैतिज स्लाइडिंग खिड़कियां, फोल्डेबल स्नैक टेबल और

बॉटल होल्डर, मोबाइल होल्डर आदि जैसी उन्नत सुविधाएं हैं। इन रेलगाड़ियों में 8 शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बे और 11 साधारण श्रेणी के सवारी डिब्बे हैं।

इसके अलावा, अनारक्षित स्थान के इच्छुक यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, भारतीय रेल किफायती यात्रा के लिए अनारक्षित गैर-वातानुकूलित पैसेंजर रेलगाड़ियां/एमईएमयू/ईएमयू आदि चलाती है, जो मेल/एक्सप्रेस सेवाओं में उपलब्ध अनारक्षित स्थान (सवारी डिब्बे) के अतिरिक्त हैं।

अमृत भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियां शुरू करके, मेमू रेलगाड़ियों का निर्माण करके तथा अगले 5 वर्षों में 17,000 गैर-वातानुकूलित सामान्य/शयनयान डिब्बों के लिए विशेष विनिर्माण कार्यक्रम चलाकर भारतीय रेल निम्न एवं मध्यम आय वाले परिवारों की यात्रा संबंधी मांग को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो परिवहन के किफायती साधन के रूप में रेलवे से यात्रा करना पसंद करते हैं।

******